यत्र यत्र रघुनाथकीर्तनम्

Yatra Yatra Raghunatha Kirtanam • श्लोक • देवनागरी

यत्र यत्र रघुनाथकीर्तनं
तत्र तत्र कृतमस्तकाञ्जलिम्।
बाष्पवारिपरिपूर्णलोचनं
मारुतिं नमत राक्षसान्तकम्॥

रचना / पाठ-परंपरा: पारंपरिक हनुमान वंदना
पारंपरिक पाठ; वर्तनी और पाठांतर संभव हैं।